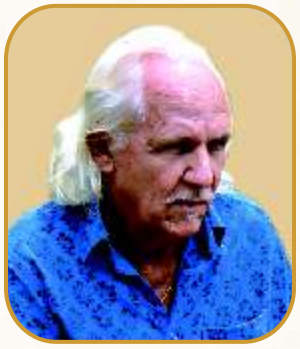

SHRI ROMULUS WHITAKER

Shri Romulus Whitaker is the founder of several wildlife conservation and research organizations in India, mostly specializing in reptiles. He has been the mentor for dozens of young wildlife biologists and popularized the field of herpetology in the country. Besides publishing over 300 scientific and popular articles he has produced and presented numerous award winning wildlife documentary films and written several books including "Snakes of India-the Field Guide".

2. Born on May 23, 1943, Shri Whitaker moved to India in 1951 with his mother, Doris Norden and step-father R.K. Chattopadhyaya, son of Kamaladevi and Harindranath Chattopadyaya. He took Indian citizenship in 1975.

3. Shri Whitaker founded the Madras Snake Park in 1969, the Madras Crocodile Bank in 1976 with his former wife, Zai Whitaker, Irula Snake-catchers Cooperative in 1978, Andaman and Nicobar Islands Environmental Trust in 1989, Agumbe Rainforest Research Station in 2005, Gharial Conservation Affiance in 2006 with his son Nikhil, and is currently the Project Manager (India) of the Global Snakebite Initiative, dedicated to the mitigation of snakebite in rural India.

4. Shri Whitaker has served on many State and Central Government committees including the Western Ghats Task Force, the Tamil Nadu State Wildlife Board, the National Tri-state Chambal Sanctuary Management and Coordination Committee and has been a consultant and adviser on conservation agendas throughout the country. He has been a United Nations and other international agency consultant on wildlife projects in Bangladesh, Sri Lanka, Mozambique, Ethiopia, Indonesia, Malaysia and Papua New Guinea.

5. Shri Whitaker is the recipient of a number of awards and honours. He received the Rolex Award for Enterprise on two occasions, Ashoka Foundation Fellowship, the Peter Scott Award from the UK, Order of the Golden Ark from the Netherlands, Salim Ali Award and the Whitley Fund for Nature Award, UK and an Emmy Award for his National Geographic wildlife documentary "King Cobra". His work has been widely reported in the Indian press as well as Time Magazine, Newsweek and the New York Times.

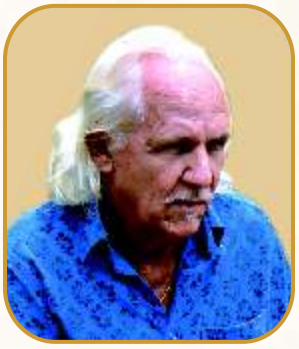

श्री रोमुलस विटेकर

श्री रोमुलस विटेकर भारत में कई वन्य जीव संरक्षण तथा अनुसंधान संगठनों के संस्थापक हैं, जिनमें से अधिकतर, सर्पों की श्रेणी वाले जीवों में विशेषज्ञता हासिल कर रहे हैं। आप दर्जनों युवा वन्य-जीव से संबंधित जीव विज्ञानियों के गुरू हैं। आपने देश में सरीसृप विज्ञान के क्षेत्र को लोकप्रिय बनाया है। 300 से अधिक वैज्ञानिक एवं लोकप्रिय लेखों को प्रकाशित करने के अतिरिक्त आपने अनेक पुरस्कार जीतने वाली वन्य जीव डाक्यूमेंटरी फिल्में बनाई और उन्हें प्रस्तुत किया तथा "स्नेक्स ऑव इंडिया - द फील्ड गाइड" सहित कई पुस्तकें लिखी हैं।

2. आपका जन्म 23 मई, 1943 को हुआ था। आप 1951 में अपनी माता, डोरिस नोर्डन तथा अपने सौतेल पिता आर. के. चट्टोपाध्याय, जो कमला देवी एवं हरिन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय के पुत्र हैं, के साथ भारत आए। आपने सन 1975 में भारत की नागरिकता ग्रहण की।

3. आपने अपनी पूर्व पत्नी, जय विटेकर के साथ 1969 में मद्रास स्नेक पार्क, 1976 में द मद्रास क्रोकोडाइल बैंक और अपने पुत्र, निखिल के साथ 1978 में इरूला स्नेक-कैचर्स कोआपरेटिव, 1989 में अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह पर्यावरणीय ट्रस्ट, 2005 में अगुम्बे रेनफारेस्ट रिसर्च स्टेशन, 2006 में गेरियल कंजर्वेशन एफियांस की स्संस्थापना की और वर्तमान में ग्लोबल स्नेक बाइट इनीशिएटिव के परियोजना प्रबंधक (इंडिया) हैं, जो ग्रामीण भारत में स्नेकबाइट के प्रशमन के लिए समर्पित हैं।

4. आपने वेस्टर्न घाट्स टास्क फोर्स, द तमिलनाडु स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड,द नेशनल ट्राई-स्टेट चम्बल अभ्यारण्य प्रबंधन एवं समन्वय समिति सहित कई राज्य एवं केन्द्र सरकार की समितियों को अपनी सेवाएं दी हैं और देशभर में संरक्षण अजेंडा के परामर्शदाता एवं सलाहाकार रहे हैं। आप बंगलादेश, श्रीलंका, मोजाम्बीग, इथोपिया, इंडोनेशिया, मलेशिया और पपुआ न्यू गिनिया में वन्य जीव परियोजनाओं के लिए यूनाइटेड नेशंस एवं अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसी के परामर्शदाता रहे हैं।

5 . आपको कई पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हुए हैं। आपको दो अवसरों पर द रोलेक्स अवार्ड फॉर इन्टरप्राइज, अशोक फाउन्डेशन फेलोशिप, यू.के. से द पीटर स्कॉट अवार्ड, नीदरलैंड से आर्डर ऑव द गोल्डन आर्क, सलीम अली अवार्ड तथा द विटले फंड फॉर नेचर अवार्ड, यू.के. और आपकी नेशनल जियोग्राफिक वाइल्ड लाइफ डाक्यूमेंटरी "किंग कोबरा" के लिए एक एम्मी अवार्ड प्राप्त हुआ। भारतीय प्रेसों के साथ-साथ टाइम पत्रिका, न्यूज वीक तथा न्यूयार्क टाइम्स में आपके कार्य की व्यापक रूप से रिपोर्टिंग की गई।